पर्यावरण संरक्षण हमारी देश और प्रदेश की संस्कृति का अभिन्न हिस्सा : भजनलाल शर्मा

हमारे प्रदेश में 'खेजड़ली का बलिदान' पर्यावरण संरक्षण का सबसे बड़ा उदाहरण : मुख्यमंत्री

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आमजन से आव्हान किया कि पर्यावरण संरक्षण हमारी देश और प्रदेश की संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है। हम नदियों, पर्वतों, वृक्षों, धरती और सूर्य को पूजते हैं, क्योंकि जीवन की निरंतरता प्रकृति के संरक्षण पर ही निर्भर है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रदेश में 'खेजड़ली का बलिदान' पर्यावरण संरक्षण का सबसे बड़ा उदाहरण है। उन्होंने आमजन को आव्हान किया कि, पर्यावरण संरक्षण का व्यक्तिगत संकल्प लेते हुए प्रदेश को विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी अग्रणी बनाएं, ताकि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य मिले। शर्मा गुरूवार को जयपुर में आयोजित हरियालो राजस्थान पर्यावरण कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को हरियालो राजस्थान पर्यावरण कॉन्क्लेव में 'मेरी लाइफ-सस्टेनेबल लाइफस्टाइल फॉर एनवायरमेंट पोस्टर' का विमोचन किया। इस मौके पर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरिजीत बनर्जी, अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार, प्रदूषण नियंत्रण मंडल अध्यक्ष आलोक गुप्ता समेत कई लोग मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, वायु प्रदूषण और जल संकट जैसी गंभीर चुनौतियों को देखते हुए राज्य सरकार ने पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाया है। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के माध्यम से पारंपरिक जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन और जलाशयों की स्वच्छता को जनभागीदारी से जोड़ा गया है। वहीं, कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के माध्यम से प्रवासी राजस्थानियों को जोड़ते हुए 14 हजार से अधिक ग्राउंड वॉटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर्स का निर्माण करवाया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरित हरियालो राजस्थान अभियान के अंतर्गत दो वर्ष में लगभग 20 करोड़ पौधे लगाए गए है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सर्कुलर इकोनॉमी इंसेंटिव स्कीम 2025 लेकर आई है। प्रदेश में ई-वेस्ट, प्लास्टिक वेस्ट और बैटरी वेस्ट के सुरक्षित निस्तारण के लिए अधिकृत इकाइयां संचालित की जा रही हैं। सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध जन-जागरूकता और रिवर्स वेंडिंग मशीनों के माध्यम से प्लास्टिक संग्रह को व्यापक स्तर पर प्रोत्साहित किया जा रहा है।

हम प्रदेश को ग्रीन इनोवेशन हब के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रहे हैं। शर्मा ने कहा कि क्लीन और ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में राजस्थान तेजी से बढ़ रहा है। आज हमारा प्रदेश 22 हजार 860 मेगावाट की सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता के साथ देश में प्रथम स्थान पर है। प्रधानमंत्री कुसुम योजना के अंतर्गत 2 हजार 272 मेगावाट की सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सौर ऊर्जा शक्ति का ही परिणाम है कि आज राजस्थान के 22 जिलों के किसानों को दिन के समय में ही बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। इससे कोयला आधारित बिजली उत्पादन पर निर्भरता घट रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने 2 वर्ष के कार्यकाल में बिजली और पानी की उपलब्धता और महिला, युवा, किसान और मजदूर के कल्याण के लिए एक रोडमैप बनाया हैं। राम जल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर, देवास परियोजना, माही बांध, सोम-कमला-अम्बा सहित विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से पानी की उपलब्धता को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 'मेरी लाइफ-सस्टेनेबल लाइफस्टाइल फॉर एनवायरमेंट पोस्टर' का विमोचन किया। कॉन्क्लेव में राज्य सरकार की दो वर्ष की उपलब्धियों को लेकर लघु फिल्मों का प्रदर्शन भी किया गया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने यहां प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरिजीत बनर्जी, अतिरिक्त मुख्य सचिव वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन आनंद कुमार, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अध्यक्ष आलोक गुप्ता और सदस्य सचिव कपिल चंद्रवाल सहित बड़ी संख्या में पर्यावरणविद्, विशेषज्ञ एवं उद्योगजगत के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

1993 के सीरियल ट्रेन ब्लास्ट के अभियुक्तों की समय पूर्व रिहाई से हाईकोर्ट का इनकार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने साल 1993 में मुंबई सहित छह राज्यों में हुए सीरियल ट्रेन बम ब्लास्ट मामले में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे अभियुक्तों को समय पूर्व रिहा करने से इनकार कर दिया है। जस्टिस सुदेश बंसल और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश अशफाक खान, एफआर सूफी, एआर अंसारी, मोहम्मद एजाज अकबर, मोहम्मद अमीन, मोहम्मद शमसुद्दीन और मोहम्मद अफाक की ओर से दायर याचिका को खारिज कर दिया है।

- मुंबई सहित छह राज्यों में वर्ष 1993 में हुआ था सीरियल ट्रेन बम ब्लास्ट

अदालत ने कहा कि अभियुक्त टाडा के तहत अपराध में आजीवन कारावास की सजा के दोषी है। ऐसे में उन्हें समय से पूर्व रिहा नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही अदालत ने कहा कि न्यायिक समीक्षा के अधिकार के तहत हाईकोर्ट अपीलीय अदालत की तरह तथ्यों का पुनर्मूल्यांकन कर दखल नहीं दे सकता, जब तक की प्रशासनिक निर्णय मनमाना और कानून के विपरीत ना हो। खंडपीठ ने कहा कि आतंकवादी गतिविधियां अत्यंत जघन्य अपराध हैं। आतंकवाद जैसे गंभीर अपराध में दोषी अभियुक्तों की रिहाई ना केवल समाज के लिए खतरा है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी गंभीर जोखिम पैदा करेगा।

याचिकाओं में कहा गया कि दिसंबर, 1993 में हुए सीरियल ट्रेन बम ब्लास्ट मामले में उन्हें दोषी मानते हुए अजमेर की विशेष टाडा कोर्ट ने 28 फरवरी, 2024 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इस आदेश की अपील भी सुप्रीम कोर्ट ने 11 मई, 2016 को खारिज कर दी थी। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता बीस साल की अवधि से अधिक समय से जेल में बंद है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 4 मई, 2011 को पत्र जारी कर कहा था कि आतंकवादी अपराधों को एक अलग श्रेणी में रखा जाए और सजा कम करने पर विचार से पहले अभियुक्त को कम से कम बीस साल की सजा भुगतनी जरूरी है। याचिका में हा गया कि याचिकाकर्ता बीस साल की अवधि से अधिक समय जेल में भुगत चुके हैं। ऐसे में उन्होंने समय पूर्व रिहाई के लिए गृह मंत्रालय में अभ्यावेदन दिया था, लेकिन उसे दिसंबर, 2022 और मार्च, 2024 को खारिज कर दिया गया। ऐसे में गृह मंत्रालय के आदेश को रद्द कर उन्हें समय पूर्व रिहा किया जाए। जिसका विरोध करते हुए केन्द्र सरकार के एएसजी भरत व्यास ने कहा कि जिन आरोपियों को टाडा के तहत सजा दी जाती है, उनकी सजा को कम करने पर प्रतिबंध है। ऐसे में याचिका को खारिज किया जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने याचिका को खारिज कर दिया।

रत्न एवं आभूषण के महाकुंभ ''जयपुर ज्वैलरी शो'' का आज होगा शुभारंभ

जयपुर (कासं)। रत्न एवं आभूषण के महाकुंभ ''जयपुर ज्वलैरी शो'' इस वर्ष कलर्ड जेमस्टोन्स थीम के साथ जयपुर के सीतापुरा स्थित नोवोटेल जयपुर कन्वेंशन सेंटर में 19 से 22 दिसंबर तक होगा। शो का उद्घाटन शुक्रवार प्रातः मुख्य अतिथि जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ अमेरिका, इंक. (जीआईए) के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रीतेश पटेल करेंगे।

जेजेएस मानद सचिव राजीव जैन ने बताया कि जेजेएस वर्ष 2025 में 1227 बूथ्स और 660 एग्जीबिटर्स के साथ अब तक का सबसे बड़ा और विशाल शो होगा। इन बूथ्स में 624 गोल्ड ज्वैलरी, 314 लूज जेमस्टोन्स, 74 सिल्वर ज्वैलरी की होंगी, जबकि 74 एलाइड मशीनरी के बूथ्स होंगे। जेजेएस में इस वर्ष भी ज्वैलरी सैक्शन में लगभग 66 प्रतिशत डिजाइनर बूथ्स हैं, जो जेजेएस को न केवल खूबसूरत बनाएंगे, बल्कि विजिटर्स को नयेपन का एहसास होगा। इसके अतिरिक्त, बी2बी ग्राहकों के लिए जेजेएस के मुख्य आकर्षण पिंक क्लब में 74 प्री-फैब्रिकेटेड बूथ्स हैं, जिसमें 44 ज्वैलरी और 30 जेमस्टोन्स के बूथ्स होंगे। वहीं, डिजाइनरों को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने के लिए, जयपुर ज्वैलरी शो इस वर्ष 8वें जयपुर ज्वैलरी डिजाइन फेस्टिवल (जेजेडीएफ) की मेजबानी कर रहा है, जिसके अंतर्गत 67 बूथ्स होंगे। जेजेएस वाईस चेयरमैन, दिनेश खटोरिया ने बताया कि केवल 67 बूथों के साथ एक छोटी-सी शुरुआत करने वाला जयपुर ज्वैलरी शो आज अपने 23 वर्षों के गौरवपूर्ण सफर में नई ऊंचाइयों को छू चुका है। इस वर्ष मिस यूनिवर्स इंडिया 2023 श्वेता शारदा जयपुर ज्वैलरी शो की ब्रांड एम्बेसेडर हैं। खटोरिया के अनुसार जेजेएस में ना केवल पुराने एग्जीबिटर्स लगातार जुड़े हुए हैं, बल्कि नए एग्जीबिटर्स ने भी इस ब्रान्ड में भाग लेने में गहरी रुचि दिखाई। जेजेएस-2025 में नए एक्जीबीटर्स के साथ- साथ ही कई राष्ट्रीय ब्रांड भी हिस्सा लेंगे। वहीं, शो में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एग्जीबिटर्स भी हिस्सा ले रहे हैं। जिसमें बैंकॉक से बूथ होगी । इसके अतिरिक्त, जयपुर सहित मुंबई, कोलकाता, दिल्ली, बैंगलोर, हैदराबाद और अहमदाबाद से भी एग्जिबिटर्स शामिल हैं। इस वर्ष 8000 से अधिक ट्रेड विजिटर्स के शामिल होने की भी उम्मीद है। जेजेएस प्रवक्ता अजय काला ने बताया कि 'दिसम्बर शो' के रूप में लोकप्रिय जेजेएस लगभग 50 हजार देशी एवं विदेशी विजिटर्स के साथ देश का एक महत्वपूर्ण आयोजन बन चुका है।

देवनानी से हरियाणा के पूर्व मंत्री धनखड की मुलाकात

जयपुर । विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से गुरुवार को राजकीय आवास पर हरियाणा के पूर्व कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के दौरान देवनानी ने धनखड़ का पारंपरिक रूप से दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया तथा उन्हें राजस्थान विधानसभा का स्मृति-चिह्न एवं पुस्तक ऑपरेशन सिंदूर भेंट कर सम्मानित किया। दोनों ने समसामयिक राजनीतिक विषयों, लोकतांत्रिक मूल्यों, संसदीय परंपराओं तथा राष्ट्र निर्माण में विधायिका की भूमिका पर चर्चा की। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से यहां विधान सभा में संस्कृति चिल्ड्रन्स एकेडमी के छात्र-छात्राओं ने मुलाकात की। देवनानी ने बच्चों से कहा कि पढो लिखो, मेहनत करो और निरन्तर आगे बढ़ते रहो। देवनानी ने बच्चों से उनकी पढाई और परिवार के बारे में पूछा। छात्र-छात्राओं ने राजस्थान विधान सभा सभा का राजनैतिक आख्यान संग्रहालय भवन और सदन देखा। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को संस्कृति चिल्ड्रन्स एकडेमी के बच्चों ने अपने हाथों से बनाये उपहार भेंट किये।

गोगामेडी हत्याकांड में आरोपियों को चार्ज सुनाए

जयपुर । एनआईए मामलों की विशेष अदालत ने प्रदेश के चर्चित सुखदेव सिंह गोगामेडी हत्याकांड मामले में आरोपी रोहित राठौड, नितिन फौजी, पूजा सैनी, अशोक कुमार, भवानी सिंह, उत्तम सिंह, राहुल और रामबीर को आईपीसी, आम्र्स एक्ट और विधि विरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं में चार्ज सुनाए हैं। एनआईए के अधिवक्ता स्नेहदीप ने बताया कि आरोपियों ने आरोपों से इनकार करते हुए मामले की ट्रायल चाही। इस पर अदालत ने अभियोजन पक्ष को अपने गवाह पेश करने को कहा है। गौरतलब है कि श्याम नगर थाना इलाके में 5 दिसंबर, 2023 को राजपूत करणी सेना के प्रमुख सुखदेव सिंह गोगामेडी से मिलने के बहाने हमलावर उनके घर में घुसे थे। कुछ देर की बातचीत के बाद आरोपियों ने गोगामेडी पर गोलियां चलाई, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं गोलीबारी के बीच वहां मौजूद नवीन शेखावत की भी मौत हुई थी। यह संपूर्ण घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई थी।

मामले में पुलिस ने शूटर नितिन फौजी और रोहित राठौड सहित अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया था। जबकि प्रकरण में कुछ अन्य आरोपी फरार चल रहे हैं। मामले की जांच शुरुआत में पुलिस ने की थी, लेकिन बाद में गृह मंत्रालय के आदेश से एनआईए ने 11 दिसंबर को मामला दर्ज कर जांच आरंभ कर आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया था।

झुन्झुनू से चिड़ावा-पचेरी हरियाणा बॉर्डर तक फोरलेन सड़क बनेगी

जयपुर (कासं)। झुन्झुनू-चिड़ावा-सिंघाना-पचेरी (हरियाणा बॉर्डर सीमा) तक 4 लेन सड़क का निर्माण करवाया जाएगा। भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने 78.180 कि.मी. फोरलेन सड़क (एनएच 11)निर्माण के लिए 2202.67 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की है ।

- 2203 करोड़ की लागत से 78 कि.मी. हाईवे बनेगा फोरलेन, प्रोजेक्ट में 42 ब्रिज बनेंगे
- प्रदेश के आर्थिक विकास को नई दिशा और गति मिलेगी : उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

इस परियोजना में झुन्झुनू बीड़, बगड, खुडाना, सिंघाना, पचेरी कलां आदि में 4 लेन बाईपास सड़क निर्माण कार्य एवं चिडावा में पिलानी सड़क से लाखू तिराहा एवं लाखू तिराहा से ओजटू तिराहा तक 4 लेन रिंग रोड का निर्माण करवाया जायेगा। इस परियोजना में बाईपास सड़क की कुल लम्बाई 41.660 कि.मी. तथा एग्जिस्टिंग रोड की कुल लम्बाई 36.520 किमी में 4 लेन सड़क बनायी जायेगी। उक्त परियोजना में कुल 42 ब्रिज बनाये जाएंगे। वर्तमान में भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही पक्रियाधीन है।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने इस स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि इस फोरलेन हाइवे के निर्माण से द्रुत एवं सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। इससे क्षेत्र एवं प्रदेश के विकास को नई दिशा एवं गति मिलेगी, औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और रोज़गार के नए अवसर पैदा होंगे । ग्रामीण क्षेत्रों की उपजों की बड़े बाजारों तक पहुँच आसान होगी जिससे किसनों की आय में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा है की मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में मजबूत आधारभूत ढाँचा स्थापित किया जा रहा है , जो प्रदेश के विकास को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मेट्रो लाइन के साथ 5 प्रमुख मार्ग ट्रांजिट-ओरिएंटेड डवलपमेंट कॉरिडोर घोषित

जयपुर (कासं)। जयपुर विकास प्राधिकरण ने राजधानी जयपुर में सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने और सुनियोजित शहरी विकास के लिए बड़ा कदम उठाया है। आयुक्त आनंदी ने बताया कि प्राधिकरण ने मेट्रो लाइन के साथ स्थित पांच प्रमुख मार्गों को ट्रांजिट-ओरिएंटेड डवलपमेंट कॉरिडोर घोषित किया है।इनमें वीर तेजाजी सर्कल से पंडित टी.एन. मिश्रा मार्ग जंक्शन (1.4 कि.मी.), पंडित टी.एन. मिश्रा मार्ग जंक्शन से भारत आश्रम मार्ग जंक्शन (1.5 कि.मी.), भारत आश्रम मार्ग जंक्शन से जनपथ मार्ग जंक्शन (1.1 कि.मी.), जनपथ मार्ग जंक्शन से ईएसआई रोड जंक्शन (1.6 कि.मी.) और ईएसआई रोड जंक्शन से टोंक रोड जंक्शन (1.3 कि.मी.) को शामिल किया गया है।

'मेरी पहल' एन.जी.ओ. में बंधक 18 लोगों का रेस्क्यू

जयपुर (कासं)। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर झोटवाड़ा के ग्राम नांगल जैसा बोहरा में मेरी पहल संस्था एनजीओ के परिसर में अवैध तौर पर बंधक बनाए गए 18 लोगों को रेस्क्यू ऑपरेशन में मुक्त कराया गया। इनमें 11 महिलाएं व 7 पुरुष शामिल थे। वहीं संस्था संचालक को भी गिरफ्तार किया गाय। कार्रवाई के बाद महिलाओं और पुरुषों को उनके घर भेजा गया। वहीं इनमें से कुछ महिलाओं को महिला सदन में रखा गया है और उनके परिजनों से संपर्क किया जा रहा है।

कार्रवाई में पता चला कि एनजीओ संस्था के परिसर में संचालक ने खुद को भिक्षुक पुनर्वास केंद्र संचालन करने वाला बताया, लेकिन वहां पर कौशल विकास या पुनर्वास कार्य नहीं किया जा रहा था। रेस्क्यू अभियान की कार्रवाई हाईकोर्ट के एक्टिंग सीजे व प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा के निर्देश पर की।

इस अभियान में प्राधिकरण के सदस्य सचिव हरिओम अत्रि, निदेशक नीरज कुमार भारद्वाज, जिला प्राधिकरण के सचिव पल्लवी शर्मा और पवन कुमार जीनवाल सहित पुलिस जाब्ता मौजूद रहा। गौरतलब है कि मानवाधिकार दिवस पर प्राधिकरण की टीम एनजीओ में निरीक्षण में लिए गई थी। वहां टीम ने जब संचालक व मौजूद लोगों से बातचीत की तो गड़बड़ी का पता चला था।

निरीक्षण के दौरान रजिस्टर में दर्ज कुछ नाम के लोग मौके पर नहीं थे, जबकि मौके पर उपस्थित कुछ महिलाओं के नाम रजिस्टर में नहीं थे। वहीं एनजीओ परिसर में कई तरह की अनियमिता भी मिली थीं। वहीं संचालक ने परिसर में निगरानी के लिए 20 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे लगा रखे थे। रेस्क्यू की गई महिलाओं में एक युवती डी.फार्मा थी, जो न तो भिक्षुक है।

आरओ-ई.ओ. परीक्षा में ब्लूटूथ से नकल करने वाला बदमाश गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए राजस्व अधिकारी ग्रेड- और अधिशाषी अधिकारी वर्ग- (स्वायत्त शासन विभाग) प्रतियोगी परीक्षा - 2022 में ब्लूटूथ डिवाइस के जरिये परीक्षा में नकल करने वाले फरार चल रहे दस हजार रुपये के इनामी आरोपित सुरेश कुमार निवासी खाजूवाला जिला बीकानेर को गिरफ्तार किया गया है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि राजस्व अधिकारी ग्रेड- और अधिशाषी अधिकारी वर्ग- (स्वायत्त शासन विभाग) प्रतियोगी परीक्षा - 2022 के संबंध में अभ्यर्थियों के द्वारा परीक्षा के दौरान अनुचित साधनों के प्रयोग करने की शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत की जांच किए जाने के दौरान तकनीकी विश्लेषण से स्पष्ट हुआ कि तुलछाराम कालेर व पॉवर कालेर गैंग द्वारा परीक्षा के दौरान सालासर में मौजूद रहकर परीक्षार्थियों को ब्लूटूथ डिवाइस के जरिये परीक्षा में नकल करवाई है।

इस पर एसओजी ने राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम के अध्युपाय) अधिनियम 2022 में मामला दर्ज जांच पड़ताल की तो सामने आया कि आरोपित सुरेश कुमार इस परीक्षा में अभ्यर्थी था।

जिसने पोरव कालेर गैंग से मिलकर ब्लूटूथ डिवाइस के माध्यम से नकल की थी। आरोपी सुरेश कुमार के खिलाफ मामला दर्ज होते हुए वह फरार हो गया था। इस पर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दस हजार रुपये का ईनाम घोषित किया गया था। इस प्रकरण में अब तक कुल 30 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

इंजीनियर्स की भूमिका सिर्फ निर्माण तक सीमित नहीं : यूडीएच मंत्री

जयपुर । राजस्थान आवासन मंडल में नव-नियुक्त लगभग 100 से अधिक अभियंताओं को आधुनिक एवं व्यावहारिक अभियांत्रिक प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से दो दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला का आयोजन 18-19 दिसम्बर को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में किया जा रहा है। कार्यशाला का शुभारंभ गुरुवार प्रातः

- हाऊसिंग बोर्ड में नवनियुक्त 100 इंजीनियर्स के लिए 2 दिवसीय तकनीकी कार्यशाला का आयोजन

10 बजे नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने किया। कार्यशाला का आयोजन भारत सरकार के आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय के उपक्रम के तकनीकी सहयोग से किया जा रहा है।

नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने गुरूवार को आवासन मंडल के नवनियुक्त इंजीनियर्स की कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया।

उद्घाटन सत्र में मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि तेजी से बदलते शहरी परिदृश्य में अभियंताओं की भूमिका केवल निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें सुरक्षित, टिकाऊ, ऊर्जा-दक्ष एवं किफायती आवास की अवधारणाओं को व्यवहार में उतारना होगा।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम अभियंताओं को नवीन तकनीकों से जोड़ने के साथ-साथ परियोजनाओं की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध होंगे। राजस्थान सरकार द्वारा आवासन मण्डल के माध्यम से विभिन्न आए वर्ग के लिए आवास प्रदान के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

इस अवसर पर राजस्थान आवासन मंडल के अध्यक्ष, प्रमुख शासन सचिव, नगरीय विकास विभाग देवाशीष पृष्ठी तथा आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रशिक्षण को संगठनात्मक क्षमता निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञों द्वारा आधुनिक भवन निर्माण सामग्री, नवीन निर्माण तकनीक, लागत प्रभावी समाधान एवं पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिससे अभियंताओं को राष्ट्रीय स्तर की सर्वोत्तम तकनीकी जानकारी प्राप्त होगी।

160 देशों के 10 लाख अभ्यासी एक साथ करेंगे ध्यान

जयपुर (कासं)। विश्व ध्यान दिवस पर 21 दिसंबर को हार्टफुलनेस मूवमेंट द्वारा शांति, सद्भाव और आंतरिक संतुलन के लिए एक ऐतिहासिक वैश्विक लाइव मेडिटेशन सत्र का आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष सत्र का नेतृत्व हार्टफुलनेस के वैश्विक मार्गदर्शक पूज्य दाजी कमलेश डी पटेल करेंगे। यह लाइव ध्यान सत्र रात 8 बजे प्रारंभ होगा और 'एक विश्व, एक हृदय' के प्रेरक संदेश के साथ पूरी दुनिया को एक सूत्र में पिरोएगा।

कार्यक्रम के राज्य समन्वयक विकास मोघे ने बताया कि इस वैश्विक आयोजन में 160 देशों के 10 लाख से अधिक अभ्यासी ऑनलाइन माध्यम से एक साथ ध्यान अभ्यास करेंगे। राजस्थान के जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, अजमेर, बीकानेर सहित सभी जिलों के हार्टफुलनेस अभ्यासी और साधक भी अपने-अपने स्थानों से इस सामूहिक ध्यान में सहभागिता करेंगे। राज्य के अनेक केंद्रों पर सामूहिक रूप से स्क्रीन के माध्यम से जुड़ने की भी तैयारियां की जा रही हैं। हार्टफुलनेस संगठन द्वारा आयोजित यह सत्र यू ट्यूब लाइव सहित अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर निःशुल्क उपलब्ध रहेगा।

जयपुर में अवैध एल.पी.जी. गैस रिफिलिंग कारोबार का भंडाफोड़

रसद विभाग और पुलिस ने दो जगह कार्रवाई कर 546 सिलैंडर जब्त किए

जयपुर (कासं)। जिला रसद अधिकारी प्रथम ने जयपुर में अवैध गैस रिफिलिंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। ऑपरेशन प्रवर्तन के तहत प्राप्त सूचना के आधार पर जिला रसद अधिकारी जयपुर प्रथम द्वारा तत्काल दो विशेष सतर्कता दलों का गठन किया गया। जिला रसद अधिकारी प्रियव्रत सिंह चारण के नेतृत्व में गठित इन सतर्कता दलों द्वारा

- जगतपुरा और सांगानेर क्षेत्र में हुई कार्रवाई

जयपुर शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में दबिश देकर अवैध गैस रिफिलिंग के मामलों का पर्दाफाश किया गया।

रसद विभाग और पुलिस टीम द्वारा जब्त अवैध गैस सिलेंडर।

प्रथम सतर्कता दल द्वारा सत्यम रेजीडेंसी के पास, जगतपुरा वार्ड संख्या 68 जयपुर में दबिश दी गई। मौके पर अवैध गैस रिफिलिंग करते हुए कुल 441 कमर्शियल गैस सिलेंडर जब्त किए गए। कार्रवाई के दौरान हिंदुस्तान पेट्रोलियम अंकित एक ट्रक से भारत पेट्रोलियम के 322 भरे हुए सिलेंडर, एक पिकअप वाहन से 13, एक अल्टो कार से 03, एक कमरे से 10 तथा एक पेड़ के नीचे जमीन पर रखे 93 कमर्शियल गैस सिलेंडर बरामद किए गए। मौके पर एचपीसीएल और बीपीसीएल दोनों कंपनियों के सिलेंडर पाए गए। इसके अतिरिक्त मौके से 03 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया तथा 3 मोबाइल फोन, 1 भट्टी, 2 रबर पाइप एवं 2 रेगुलेटर जब्त किए गए। द्वितीय सतर्कता दल द्वारा बड़ा रामद्वारा, सांगानेर जयपुर में दबिश दी गई। यहां से 21 घरेलू एवं 84 कमर्शियल गैस सिलेंडर, कुल 105 सिलेंडर जब्त किए गए। साथ ही अवैध रिफिलिंग में प्रयुक्त सामग्री 5 रेगुलेटर, 2 रबर पाइप, 1 इलेक्ट्रॉनिक कांटा, 1 भट्टी, 2 रिफिलिंग बाँसुरी तथा सांगानेर गैस एजेंसी के बिल वाउचर भी जब्त किए गए। इस प्रकरण में 1 व्यक्ति को मौके से पकड़ा गया। दोनों कार्रवाइयों के दौरान कुल 546 घरेलू एवं कमर्शियल गैस सिलेंडर, 1 पिकअप वाहन, 1 इलेक्ट्रॉनिक कांटा, 2 रिफिलिंग बांसुरी, 7 रेगुलेटर, 2 भट्टी एवं 4 रबर पाइप जब्त किए गए।